लघु संकेत समझ राजा का
गण दौड़े। लाये असाध्य वीणा
साधक के आगे रख, हट गये।
सभा की उत्सुक आँखें
एक बार वीणा को लख, टिक गयीं
प्रियंवद के चेहरे पर।

6. निराला की 'संध्या सुन्दरी' कविता का काव्य सौन्दर्य अपने शब्दों में लिखिए।
7. महादेवी वर्मा के काव्य में विरह-वेदना की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
8. नरेन्द्र शर्मा के काव्य में अभिव्यक्त प्रणयानुभूति और प्रकृति सौन्दर्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
9. हरिवंश राय बच्चन के काव्यगत सौन्दर्य की विशेषताएँ लिखिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'असाध्य वीणा' कवि अज्ञेय के चिन्तन की प्रौढ़ता तथा कलात्मक परिपक्वता का मणिकांचन संयोग है।' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
11. मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
12. 'निराला की काव्य-यात्रा एक जैसी नहीं रही है, वह निरन्तर गतिशील बनी रही है।' इस कथन की सटीक समीक्षा कीजिए।
13. दुष्यन्त के काव्य के भाव एवं कलागत सौन्दर्य की विवेचना कीजिए।

MAHD–02

June – Examination 2023

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(Adhunik Kavya)

आधुनिक काव्य

Paper : MAHD-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
   (i) साकेत महाकाव्य में कितने सर्ग हैं ?
   (ii) 'हालावाद' के प्रवर्तक कवि का नाम लिखिए।
   (iii) 'जूही की कली' कविता के रचयिता का नाम लिखिए।

(iv) 'प्रथम रश्मि का आना रंगिणि तूने कैसे पहचाना ?' पंक्ति किस कवि द्वारा लिखित है ?

(v) दिनकर का 'कुरुक्षेत्र' काव्य किस प्रकार का काव्य है ?

(vi) 'कहाँ तो तय था चिराँगा, हरेक घर के लिए' पंक्ति किस रचनाकार की है ?

(vii) 'लोग भूल गये हैं' कविता संग्रह के रचनाकार का नाम लिखिए।

(viii) महादेवी वर्मा की किन्हीं **दो** संस्मरण कृतियों के नाम बताइए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

दिवसावसान का समय मेघमय आसमान से उतर रही है
वह संध्या-सुन्दरी परी-सी
तिमिरांचल में चंचलता का नहीं कहीं आभास
मुधर मुधर हैं दोनों उसके अधर-
किन्तु गम्भीर नहीं है उनमें हास-विलास।
हँसता है केवल तारा एक
गुंथा हुआ उन घुँघराले काले बालों से,
हृदय-राज्य की रानी का वह करता है अभिषेक।

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

धीरे धीरे उतर क्षितिज से
आ बसन्त रजनी
तारकमय नव वेणी बंधन
शीश-फूल कर शशि का नूतन,
रश्मि-चलय सित घन-अवगुंठन,
मुक्ताहल अभिराम बिछा दे
चितवन से अपनी
पुलकती आ वसंत रजनी

4. भारतमाता, ग्राम वासिनी
खेतों में फैला दृग श्यामल
शस्य भरा जन जीवन आँचल
गंगा यमुना में शुचि श्रम जल
शील मूर्ति,
सुख-दु:ख उदासिनी !
स्वप्न मौन, प्रभू पद नत चितवन
होठों पर हँसते दु:ख के क्षण
संयम तप का धरती सा मन
स्वर्ण कला
भू पथ प्रसाविनी!

5. आ गये प्रियंवद! केश काम्बली गुफा-गेह
राजा ने दिया आसन! कहा
'कृतकृत्य हुआ मैं तात्! पधारे आप!
भरोसा है अब मुझको
साध आज मेरे जीवन की पूरी होगी।